राजा। उभयमप्यनुपपन्मम्।

हृदयिमषुभिः कामस्यान्तः सशस्यिमदं सदा कथमुपलभे निद्धां स्था समागमकारिणीम्। न च सुवदनामालेख्येपि प्रियामसमाप्य तां मम नयनयोरुद्धाष्पत्यं सखे न भविष्यति॥ १०॥

5

10

वित.। सुदं तुए।

वर्गः। सेदं। ण उण पडनतं हिअअस्स। वर्षः। पतिओ मे मदिविहवी।

राजा । सनिश्वासम् ।

नितान्तकितिनं रूजं मम न वेद सा मानसीं प्रभावविदितानुरागमवमन्यते वापि माम्। अलब्धफलनीरसान्मम विधाय तिस्मञ्जने समागममनोरयान्भवतु पञ्चवाणः सुखी॥ ११॥

१ श्रुतं त्वया।—२ श्रुतं न पुनः पर्याप्तं हृदयस्य।—३ एता-

2. B. wrongly काम: शान्त:.

4. K.आजिल्योग.

8. N.N2. एवं after एचिओ. B.P.

- omit मदि °. P. has भवंदं संविदुं after °विहवी. B.एत्तओ मे विह-ओ. U.एत्तिओ विहवी भवन्तं सेविदुं.
- 9. A.N.N3.निश्वस्य.
- 10. G. °कडिना. A.N.N2. °कडिना. -G.य: for सा.
- 11. For 'विदितानु ' B. and G. have 'विहितानु '. N. 'विहितानु '.
- 12. G.K. अबद्ध ofor अळब्य o. K. अळभ्य o.=N.N₂. oनीरसं. B. oनीरसां.=K.समबधाय for मम विश्राय.
- 18. N.N₂. °मनोरथम् K. कृती for सुखी.

^{1.} A. बभयमध्युप o corrected into

^{3.} P.A.B. अपनमित्रिद्रा, and N.N2. अपनये (?) निद्रा.—P.A.N.N2.B. क्षारणी, K. कारणम्.—N.N2. कथमपनये निद्रा सप्ते समागमका-रिणी (?).

^{6.} A.N.N2. ins. साहे before मदं. U. रळा सदं तए.

^{7.} A.N.N2. हजा before मदं.— A. परमतं. K.पडजुत्तं.